647510 **0701159F2022** **Seat No :_________**

B.R.S. Semester - 1 (*CBCS*) Examination
Nov./Dec. -2018 (Old Course)
HINDI(FOUNDATION-2)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:
1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न-१ प्रेमचन्द्र के जीवन – कवन पर प्रकाश डालिए। (१५)

अथवा

प्रश्न-१ 'कफन' कहानी का कथानक अपने शब्दो में लिखिए।

प्रश्न-२ निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर सूचनासार दीजिए। (१५)

(अ) निम्नांकित में से किन्ही सात कहावतो के अर्थ दीजिए। (०७)

(१) उल्टा चोर कोटवाल को डाँटे
(२) जैसी करनी वैसी भरनी
(३) काला अक्षर भैंस बराबर
(४) दूध का जला छास भी फूंक कर पीता है
(५) हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और
(६) आग लगने पर कुँआ खोदना
(७) अंधों में काना राजा
(८) अंधे की लकड़ी होना
(९) ईट का जवाब पत्थर से देना
(१०) आंखों का तारा होना

(ब) निम्नांकित उक्ति का पल्लवन कीजिए।

"स्वच्छ जीवन – स्वस्थ जीवन' (०८)

अथवा

निम्नांकित परिच्छेदका संक्षेपण कीजिए।

"लोभ चाहे जिस वस्तु का हो, जब वह बढ जाता है, तब – तब उस वस्तु की प्राप्ति या उपभोग से जी नहीं भरता। धन का लोभ जब रोग बनकर पित में घर कर लेता है तब प्रप्ति होते पर भी और प्राप्ति की इच्छा बराबर लगी रहती है। जितना नहीं है उनके दु:ख में जितना है उतना आनंद वह ले नहीं पाता। उसका सारा अन्त:करण सदा अभाव भय रहता है। अंसतोष से दु:ख उत्पन्न होता है, अंत:जिस किसी व्यक्ति में यह कल्पना स्वाभाविक हो जाती है, सुख से उनका नाता सदा के लिए टूट जाता है। वह किसी को देखकर प्रसन्न नही होता और न कोइ उसे देखकर प्रसन्न होते है न कोइ उसे देखकर प्रसन्न होते है। इसीलिए तो संतोष को सात्विक जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग बताया गया है। (०८)

प्रश्न-३ निम्नांकित में से किन्ही तीन की संदर्भेमे व्याख्या कीजिए। (१५)

(1) "मेंने सोचा था कि बरसों तुम सबसे अलग रहने के बाद अवकाश पाकर परिवार के साथ रहूँगा। खैर, परसों जाना है। तुम भी चलोगी? मै? पत्नीने सजपकाकर कहा, मैं चलूंगी तो यहां का क्या होगा?"
(2) "मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है। जन्म – भर की घटनाएँ एक – एक करके सामने आती है। सारे द्रश्यों के रंग साफ होते है। समय की धुन्ध बिलकुल उन पर से हट जाती है।"
(3) "ब्रहगुप्त! आज मैं अपना प्रतिशोध का कृपाण अतल जल मं डुबा देती है। द्रश्यने छल किया, बार – बार किया! थमककर वह कृपाण समुन्द्र का ह्रदय बेधता को कफन कौन देखता है?"
(4) "तो चलो, कोई हल्ला – सा कफन ले लें। हौँ और क्या! लाश उठते – उठते रात हो जायगी। रात को कफ़न कौन देखता है?"
(5) "सिद्ध्श्वरी की समझ में नहीं आ रहा था कि क्या कहे। वह चाहती थी कि सभी चीजें ढीक से पूछ ले। सभी चीजें ठीक से जान ले और दुनिया की हर चीज पर पहले की तरह धड्ल्ले से बात करे। पर उसकी हिम्मत नहीं होती थी। उसके दिल में न जाने कैसे। भय समाया हुआ था।"

प्रश्न-४ कहानीकला के तत्वों के आधार पर 'वापसी' कहानीका मूल्यांकन कीजिए। (१५)

अथवा

प्रश्न-४ 'पत्नी' कहानी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न-५ कमलेश्वर का साहित्यक परिचय दीजिए। (१०)

अथवा

प्रश्न-५ 'आकाशदीप' की नायिका चम्पा का चरित्र – चित्रण कीजिए।

****